अमर उजाला

Date - 25/3/2023

Page - 4

अमर उजाला | दिल्ली | amarujala.com | नई दिल्ली | शनिवार, 25

लजीज-पौष्टिक है दिल्ली का खाना, एनसीआर के जिले पिछड़े

भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण ने तैयार की रैंकिंग, उत्तरी दिल्ली 14वें पायदान पर

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राजधानी के बाजारों में परोसा जाने वाला खाना पड़ोसी शहरों से ज्यादा अच्छा और सेहत के लिए भी फायदेमंद है। सबसे लजीज व पौष्टिक खाना उत्तरी दिल्ली का है। केंद्र सरकार के भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की रैंकिंग से ये बात सामने आई है।

एफएसएसएआई ने देशभर के 260 जिलों में परोसे जा रहे खाने की गुणवत्ता व पौष्टिकता समेत दूसरे मानकों पर यह रैंकिंग तैयार की है। एफएसएसएआई ने रैंकिंग ईट राइट डिस्टिक्ट चैलेंज के आधार पर तय की है। इसमें शामिल जिलों में खाने की गुणवत्ता, मिलावट, दुकानों की साफ-सफाई, एफएसएसएआई लाइसेंस, जिले में पंजीकरण की बढ़ती संख्या समेत दूसरे मानकों का आकलन किया गया। इसके लिए 200 अंक तय किए गए थे। तमिलनाडु का कोयबटूर 98 फीसदी अंक लेकर पहले स्थान पर रहा।

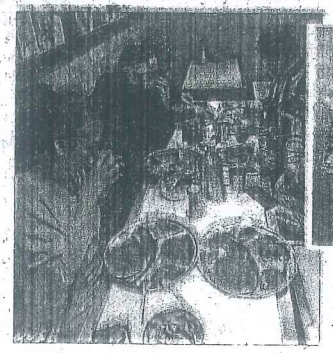

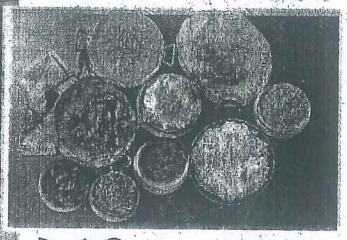

एनसीआर के शहरों में उत्तरी दिल्ली 85% अंकों के साथ 14वें स्थान पर है, जबकि 75 फीसदी अंकों के साथ उत्तर-पश्चिम व दक्षिण जिले 30वें व 31वें स्थान पर रहे। इसके अलावा 73% अंकों के साथ दक्षिण-पूर्व व पश्चिम जिले 32वें व 34वें, 72% अंकों के साथ दक्षिण पश्चिम व नई दिल्ली 38वें व 39वें, 71% अंकों के साथ मध्य दिल्ली 40वें, 63% अंकों के साथ पूर्वी दिल्ली 53वें, 55%अंकों के साथ शाहदरा 64वें व 42%अंकों के साथ उत्तर-पूर्वी जिला 80वें स्थान पर रहा।

260 जिलों में परोसे जा रहे खानें की गुणवत्ता व पौष्टिकता समेत दूसरे मानकों पर रैंकिंग हुई तैयार

दिल्ली के दूसरे जिलों ने भी गुरुग्राम और नोएडा को बहुत पीछे छोड़ा

100 वीं रैंक के बाद एनसीआर के जिले

खानें की गुणवत्ता को लेकर की गई जांच में एनसीआर के जिले 100वीं रैंक के पार रहे। सबसे इनमें सबसे आगे नोएडा 135वें स्थान पर रहा जबकि पलवल 162वें, चरखी दादरी 218वें व गुरुग्राम 241 वें स्थान पर रहा।

विभाग ने बनाए मानक

- एफएसएसएआई लाइसेंस की बढ़ती संख्या
- ज़िले में पंजीकरण
- मिलावट की जांच के लिए निगरानी अभियान
- भोजन की गुणवत्ता
- खाने की जगह पर स्वच्छता
- नियमित ऑडिट के माध्यम से खाद्य व्यवसायों के बीच सुरक्षा मानक
- नागरिक की सुरक्षा को प्राथमिकता देना

इस आधार पर हुई जांच

- खाद्य विनियामक वातावरण के माध्यम से खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना
- नागरिकों को सुरक्षित और स्वस्थ भोजन का विकल्प देना
- लोगों में बदलाव लाकर स्वस्थ आहार को अपनाने में बढ़ावा देना

चलाया था जागरूकता अभियान

खाद्य सुरक्षा विभाग ने दिल्ली के सभी जिलों में मिलावट के खिलाफ अभियान चलाया। 50 से अधिक लाइसेंसिंग और पंजीकरण शिविर आयोजित किए गए। बाजार संघों के साथ बैठक की गई। स्कूली बच्चों व अन्य माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। नुक्कड़ नाटक, जागरूकता अभियान चलाया। इसमें नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई थी।

अव्वल आने का प्रयास रहेगा

रैंकिंग के बारे में खाद्य सुरक्षा आयुक्त नेहा बंसल ने बताया कि दिल्ली के फूड इको-सिस्टम में तेजी से सुधार हुआ है। इस साल विभागों और हितधारकों ने आपसी तालमेल के साथ कई काम किए। इससे खाने की गुणवत्ता में सुधार आया है। आयुक्त ने यकीन जताया कि आने वाले समय में दिल्ली और भी बेहतर करेगी। कोशिश इस प्रतियोगिता में अव्वल आने की है।